

।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-राय (कृष्ण) मन्दिर-तीर्थ शंख-सरोवर (बेट-द्वारका)

संक्षिप्त ईतिहास- Clear & Legitimate, रचयिता: महेश वासु-मुंबई



श्री गणेशाय नम:

वैष्णव श्री वल्लभाचार्य समप्रदाय प्राचीन देवस्थान



प्राकट्य दिवस
वैशाख सुद सप्तमी
वर्ष १७४९

।। जय श्री कृष्ण ।।

Welcome to Shankhoddhar Lord Krishna's Own Land

The Most Ancient Temple of Lord Krishna

Heritage of Pushkarna Brahmin Community

Find us on FB: @KeshavraijiBetDwarka



।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई



श्री गणेशाय नम:

प्राक्कथन- Preface

यह लेख समाज के ऊन सभी महान आत्माओं को समर्पीत हैं जिन्होंने अपने जीवन का अमुल्य समय श्री केशव-रायजी की सेवा में अर्पण किये हैं। प्राचिन काल से श्री केशवराय जी की सेवा एवं मन्दिर का वहिवट करने वाले ब्रह्मचर्य गुरु-शिष्य परंपरा पीठाधीश आधीकारी-पुजारी जो **प्राय: नारायण सरोवर के पीठाधीश थे** तथा सेवक, श्री वासुकी नागदेवता के पुजारी श्री गोपालकृष्णा सामगा जी जीन्होंने अपने दैविक शक्ती द्वारा अज्ञात पुष्करणों को श्री केशव-रायजी से अवगत करवाया, वर्ष Oct' 2000 से हाल में भी मन्दिर के संचालक एवं व्यवस्थापक आदरणीय श्री अरविन्दभाई जोशी जी तथा ऊनसे जुडे जामनगर समीती के सभी आदरणीय कार्यकर्ता जीन्होनें वर्ष 2002-2004 में मन्दिर का जीर्णोद्धार करवाया और समाज में जागृत्ता फैलाकर श्री केशवरायजी की सेवा बहाल किया, श्री केशव-रायजी मन्दिर-दिग्दर्शन-२०११ पुस्तक के रचियता लेखक आदरणीय स्व. श्री रामदत्त थान्वी जी एवं ऊनके पुत्र वधु आदरणीय स्व. श्रीमती अंजनादेवी गुरुदत्त थान्वी जी तथा तीर्थ नारायण सरोवर के वर्तमान पीठाधीश गुरुश्री पुष्करणा ब्रा. प. पु. श्री आन्दलालजी माहराजश्री जो प्रामणिक रूप से श्री केशवरायजी मन्दिर गादी-पद पीठ के भी ऊत्ताराधिकारी हैं सबको नमन करते हुए ईतीहास को प्रस्तुत करता हु.................**रचयिता: वासु महेश-मुंबई**





तीर्थ शंखसरोवर की महिमा: शंखोद्धार (बेट-द्वारका) ओखा गुजरात, सागर के मध्य स्थित वैष्णव का एक पवित्र तीर्थस्थान है।



श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित ३.३.२ भगवान श्री कृष्ण ने पांचजन्य नामक दैत्य (शंखासुर) का नाश कर यही उद्धार किया और उसी पांचजन्य शंख को प्राप्त किया। गुरु दक्षिणा में यमलोक से पूणरदत्त के प्राण प्राप्त कर जीवित रूप में उनके गुरु महामुनि श्री सांदीपनीको पुत्र अर्पण किए। इस समुद्रीय स्थल का पावन जल शंख-सरोवर को पवित्र बनाता है। सागर के मध्य इस द्वीप को प्राचीन काल से पवित्र तीर्थ- शंखोद्धार और कालांतर मे बेट-द्वारका के नाम से जाना गया हैं।



श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई

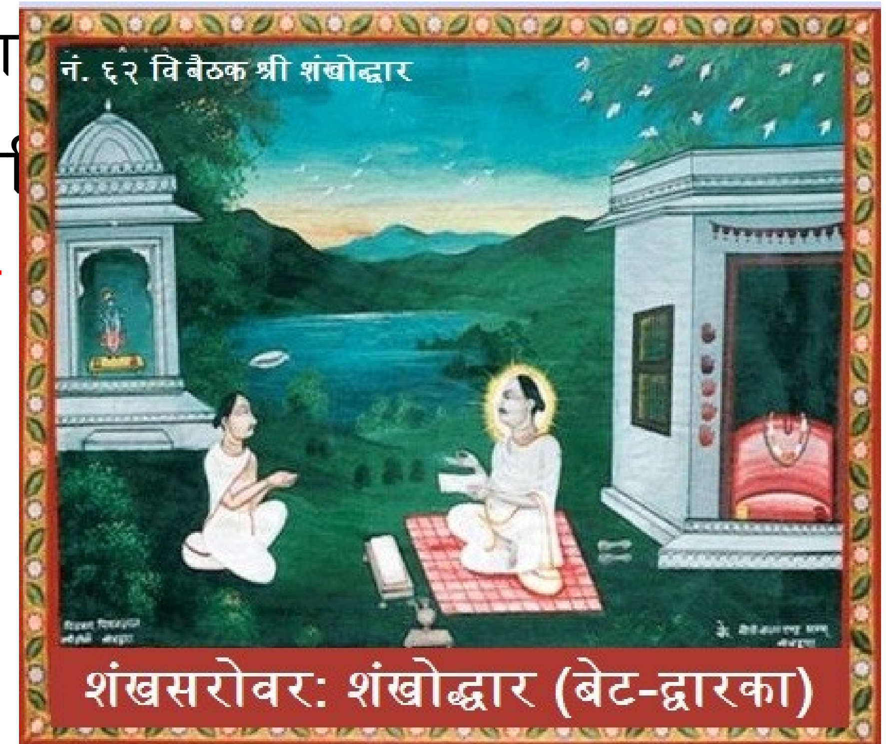


श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

शंख सरोवर में अन्य मन्दिर: श्री शंख-नारायणजी, आदि-अनादी काल के **श्री आदि-नारायण, श्री महाप्रभुजी की ६२ वि बैठक, भाई मोहकम सिंह जी का गुरुद्वारा।** शंख-सरोवर, बेट-द्वारका जेट्टी से १.२ किमी की दूरी पर हैं। बेट-द्वारका में अन्य प्रमुख मन्दिरों में से श्री द्वारकाधीश एवं श्री हनुमानजी और उनके पुत्र मकरध्वज का डांडी हनुमान मन्दिर हैं ।



Yr. 1550 / वि. सव. १६०७: शंख सरोवर शीला-लेख और लोक कथा अनुसार : श्री वल्लभाचार्यजी अपने ६२वी बैठक दौरान श्री द्वारकाधीश जी की मूर्ति को श्री शंख-नारायणजी मंदिर के गौशाला में पधराया जो आज बेट-द्वारका के द्वा... द्वारकाधीश जी की चरण चौकी के दर्शन आज भी श्री शंख-नारायण जी मं... के राजा महाराव ने अन्य प्रांत के राजाओं के सहयोग से श्री शंख-नारायण जी मंदिर का जीर्णोद्धार किया। लोक कथा अनुसार कच्च्छ-दरबार में रहे पुष्करणा ब्राह्मण ने राजा से निवेदन करके उसी समय अपने ज्ञाती के इष्टदेव "श्री केशव-रायजी" मंदिर का जीर्णोद्धार करवया।



शंखसरोवर: शंखोद्धार (बेट-द्वारका)



।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

श्री केशव-राय जी मन्दिर: पवित्र शंख सरोवर पर सुशोभित हैं "श्री केशव-रायजी" प्राचीन सुंदर मंदिर।"श्री केशवराजी" – भगवान श्री कृष्ण "केशव" को सर्वव्यापी राजसी स्वरूप में सम्बोधित किया जाता हैं। "राय" अर्थात "राजा-धिराज"। भगवान श्री कृष्ण अपने नारायण स्वरूप यही विराजमान हैं एवं तेजस्वी दिव्य स्वरूप दर्शनीय हैं। श्री वल्लभाचार्य जी द्वारा स्थापित किये गए पुष्टि-मार्गीय अनुसार श्री केशव-रायजी की सेवा-पूजा की जाति हैं। जग्दगुरु आदि शंकराचार्य के अनुसार भगवान केशव की भक्ती करने से अपशकुन एवं दुर्भाग्य से बचा जा सकता हैं।





।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई



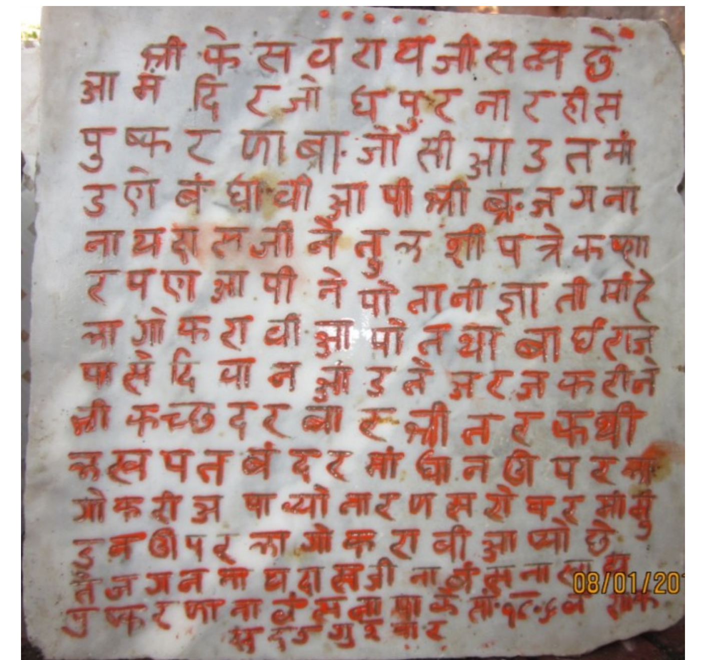
श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

ईस **अकल्पित प्राचिन निर्मित मन्दिर** को वर्ष १७४९ से मन्दिर का पुन:निर्माण एवं जीर्णोद्धार पुष्करणा ब्रा. समाज द्वारा किया गया प्रमाणित हैं। इस मंदिर का निर्माण प्राचीन शैव-रीती (डेरा-शिखरबंद) अनुसार हैं। पुष्टिमार्ग समप्रदाय से जुडे सिन्ध-पंजाब, गुजरात कच्छ एवं राजस्थान में बसे वैशणव भक्त सहित पुष्करणा समाज के सदस्य दर्शन के लिए नित्य आया करते थे, प्राचिन शीला लेख एवं लेख पत्र ईस बात को प्रमाणित करते है, बावजुद ईस तथ के पुष्करणा समाज में श्री केशवराय जी मन्दिर के बारे में जागृत्ता का प्रमुख अभाव रहा ।



Yr. 1749 / वि. सव. १८०६- वैशाख सुद सप्तमि- शिला-लेख अनुसार:

जोधपुर के रहवासी पुष्करणा ब्राह्मण जोशी आड़तमांड श्री कच्छ दरबार के दीवान थे उन्होंने दरबार बाई राज से लगान लगवाकर अपने ज्ञाती के लिए श्री केशवरायजी मन्दिर का पुन:निर्माण करवाया था।



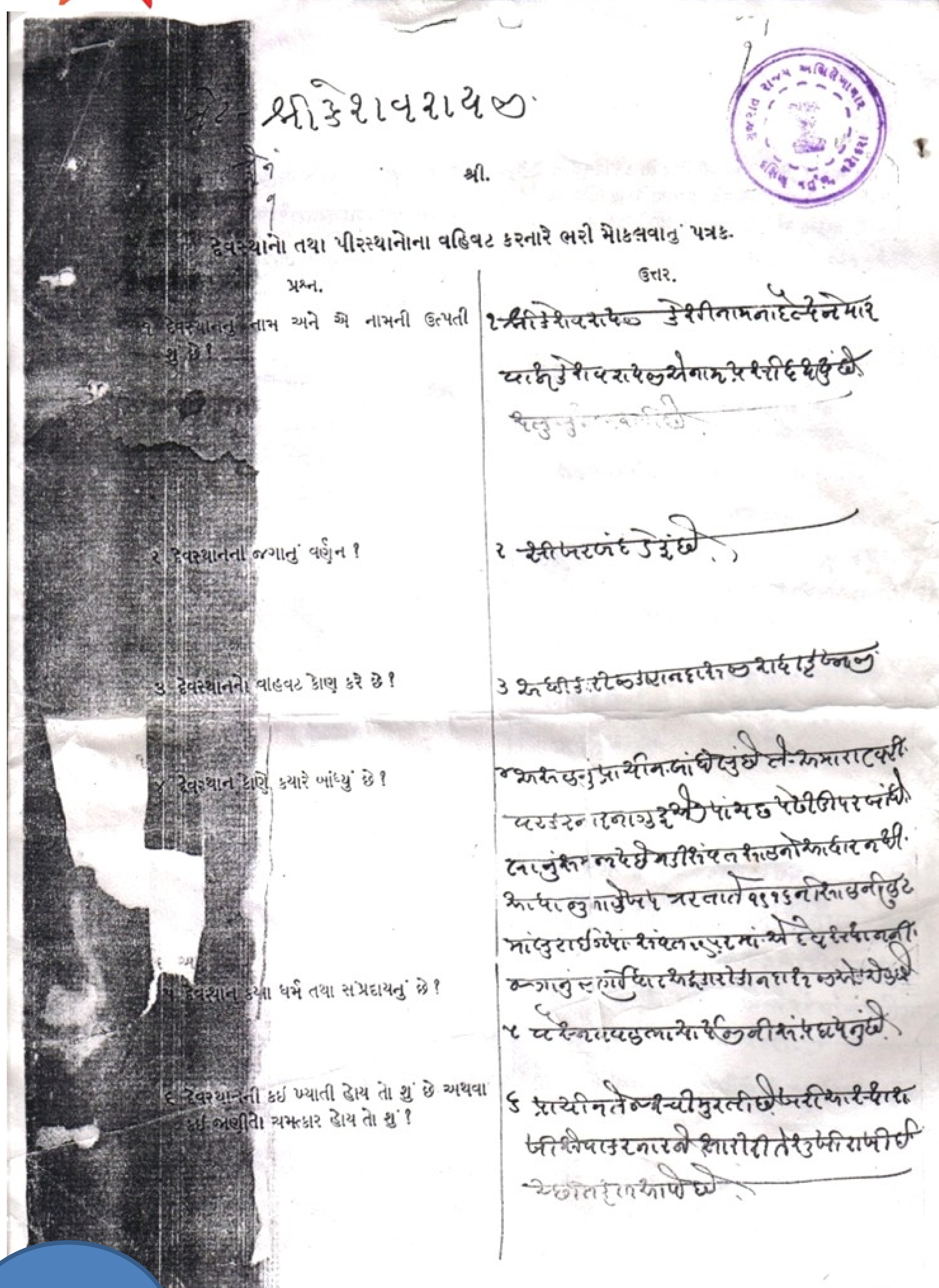


श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी



શ્રી કેશવરાયજી

શ્રી.

દેવસ્થાનો તથા પીરસ્થાનોના વહિવટ કરનારે ભરી મોકલવાનું પત્રક.

પ્રશ્ન.	ઉત્તર.
૧ દેવસ્થાનનું નામ અને એ નામની ઉત્પતી શું છે ?	૧ [illegible]
૨ દેવસ્થાનના જગાનું વર્ણન ?	૨ [illegible]
૩ દેવસ્થાનનો વાહવટ કોણ કરે છે ?	૩ [illegible]
૪ દેવસ્થાન કોણે ક્યારે બાંધ્યું છે ?	૪ [illegible]
૫ દેવસ્થાન ક્યા ધર્મ તથા સંપ્રદાયનું છે ?	૫ [illegible]
૬ દેવસ્થાનની કંઈ ખ્યાતી હોય તો શું છે અથવા કંઈ જાણીતા ચમત્કાર હોય તો શું ?	૬ [illegible]

20th Oct' Yr. 1899: प्राचिन काल से श्री केशवराय जी की सेवा एवं मन्दिर का वहिवट ब्रह्मचर्य गुरु-शिष्य परंपरा पीठाधीश के आधीकार में था, जो प्रमाण स्वरूप में मन्दिर के पीठाधीश रहें श्री कान्हादास राधाकृष्ण जी ने सरकारी अभीलेखागार के देवस्थान विभाग में पंजीकृत करवाया था। मन्दिर का विवर्ण देते हुए ऊन्होंनें अपने पीठाधीश के गुरु वंशावली का ऊल्लेख करते हुए जानकारी दि की "अकल्पित प्राचिन निर्मित मन्दिर है, ऊनके गुरु के ५-६ पिढी के ऊपर मन्दिर निर्माण करवाया गया ऐसा समझा जाता हैं, निश्चित संवत साल का आधार नहीं है। मन्दिर का वार्षिक खर्च ₹१,०००/- है, सरकार की तरफ से कोई आर्थीक सहायता नहीं मिलती है, कार्तक सुद १ के दिन यहा भव्य वार्षिक मेले का आयोजन हुआ करता है, जीसमें देश परदेश सें हजारो की संख्या में भक्त ऊमड पडते है" ।



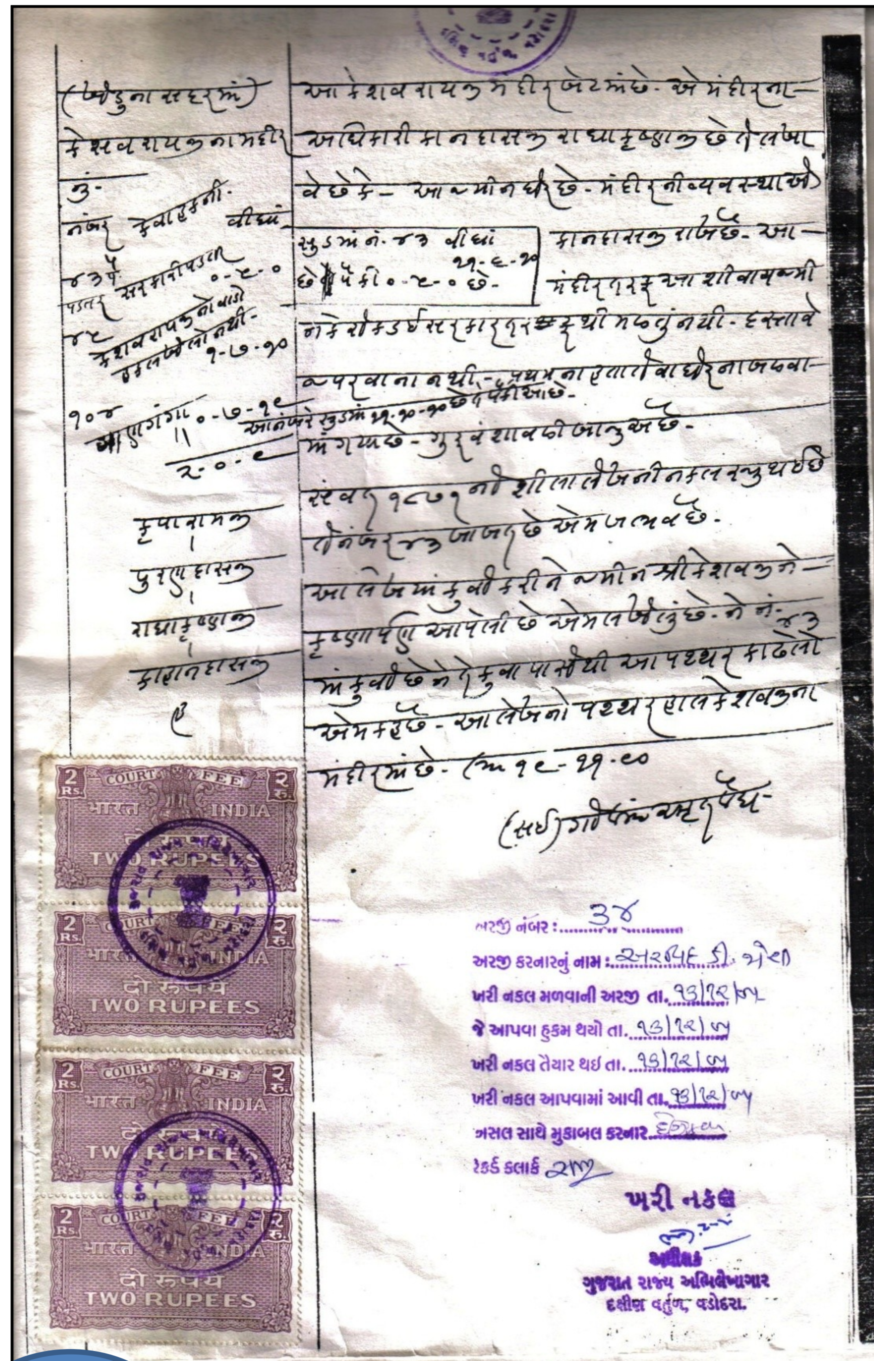
।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी



20th Oct' Yr. 1899 S&S Commission Land Records: श्री केशवराय जी मन्दिर के अचल संपत्ति का विवरण हैं जीसमें भुमी के स्वामी स्वयं श्री केशव-रायजी हैं एवं "श्री केशव-रायजी मन्दिर" के नाम पर हैं (Clear Title) एवं मन्दिर के गुरु वंशावली का ऊल्लेख हैं। दुसरी तरफ वर्ष

2016 Online Property Cards

भी यही दर्शाती हैं की भुमी के स्वामी केवल श्री केशव-रायजी हैं और किसी भी व्यक्ती या ट्रस्ट का कोई अधीकार ना था, ना हैं और ना हीं कभी रहेगा।

9/28/2016 :: Any RoR @ Anywhere ::

- Home
- Back

નોંધ :-
૧) અહીં દર્શાવેલ જમીનની વિગતો ફક્ત આપની જાણ માટે જ છે જેને સત્તાવાર નકલ તરીકે ગણવામાં આવશે નહી.
૨) આ વિગતો અંગે કોઈ પણ વધારાની માહિતી મેળવવી હોય તો જે તે મામલતદાર કચેરી અથવા કલેક્ટર કચેરીનો સંપર્ક કરવો.

ગામ નમૂના નંબર - ૭ ની વિગતો

* તા.20/05/2015 11:44:49 ની સ્થિતિએ

District (જીલ્લો)	Taluka (તાલુકો)	Village (ગામ)	Survey Number (સરવે નંબર)
દેવભૂમિ દ્વારકા	દ્વારકા	બેટ	४૫૫

Old Survey Number (જુનો સરવે નંબર) : ૩૫૬

જુના સરવે નંબર ને લગત નોંધ નંબરો: ૭૩,૧૬૯,૫૦૦ *** જુના સરવે નંબર ને લગત અન્ય નોંધ નંબરો: ૧૬૯,૫૦૦ ***

Land Details (જમીનની વિગતો)

Total Area (H.Are.SqMt.) (કુલ ક્ષેત્રફળ હે.આરે.ચોમી.) :	૦-૦૯-૫૮
Total Assessment Rs. (કુલ આકાર રૂ.) :	૦.૨૦
Tenure (સત્તાપ્રકાર) :	જુની શરત (જુ.શ)
Land Use (જમીનનો ઉપયોગ) :	ધર્મસ્થાન
Name of farm (ખેતરનું નામ) :	----
Other Details (રીમાર્કસ) :	0

Ownership Details (કબ્જેદારની વિગતો)		Boja and Other Rights Details (બોજા અને બીજા હકોની વિગતો)
ખાતા નંબર | ક્ષેત્રફળ | આકાર |	નોંધ નંબરો તથા ખાતેદાર	૫૮૮,
	૫૮૮,	
		ટુકડો<૫૮૮>
૨૦૨ | ૦-૦૯-૫૮ | ૦.૨૦	શ્રી કેશવરાય મંદીર	કેશવજીનું મંદિર છે.<૫૮૮>

નોંધ :-
૧) અહીં દર્શાવેલ જમીનની વિગતો ફક્ત આપની જાણ માટે જ છે જેને સત્તાવાર નકલ તરીકે ગણવામાં આવશે નહી.
૨) આ વિગતો અંગે કોઈ પણ વધારાની માહિતી મેળવવી હોય તો જે તે મામલતદાર કચેરી અથવા કલેક્ટર કચેરીનો સંપર્ક કરવો.

Designed & Developed By National Informatics Centre, Gujarat

https://anyror.gujarat.gov.in/Info712Details.aspx

Govt. Portal Online Land Records 2016.



श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई



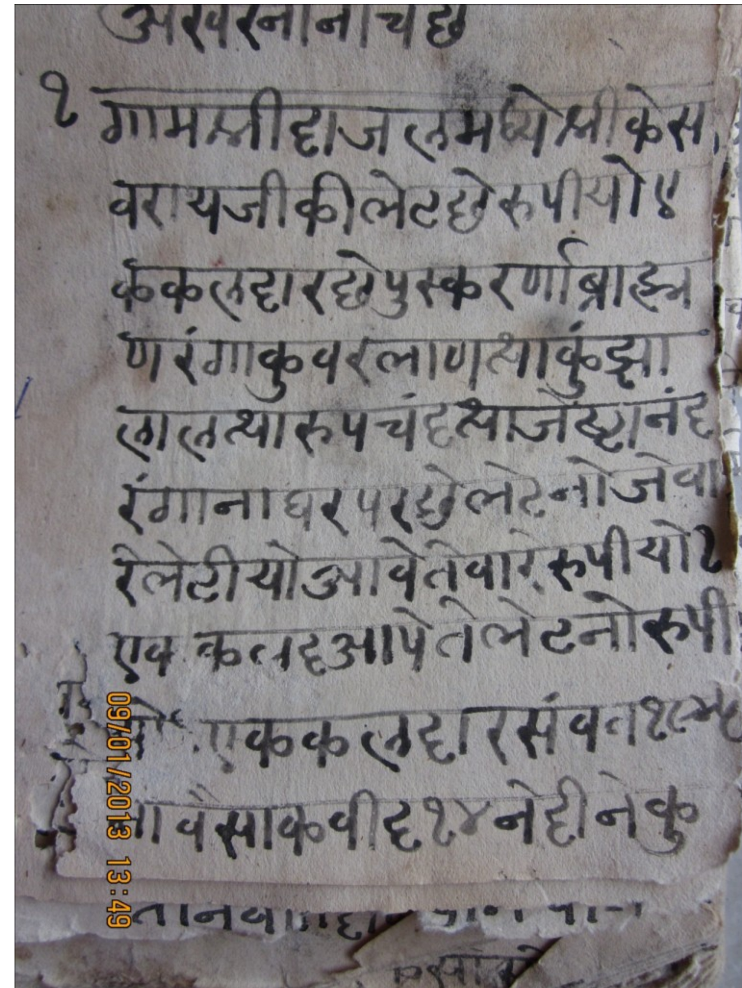
श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

Yr. 1888 / वि. सवं १९४५ :
पंजाब के विद्वान श्री ज्येष्ठाराम मुकुंदात्मा पणिया द्वारा रचीगयी पुष्करणा पख्यानाम ग्रन्थ में इष्टदेवता श्री केशव-राय प्रार्थनाष्टकम :

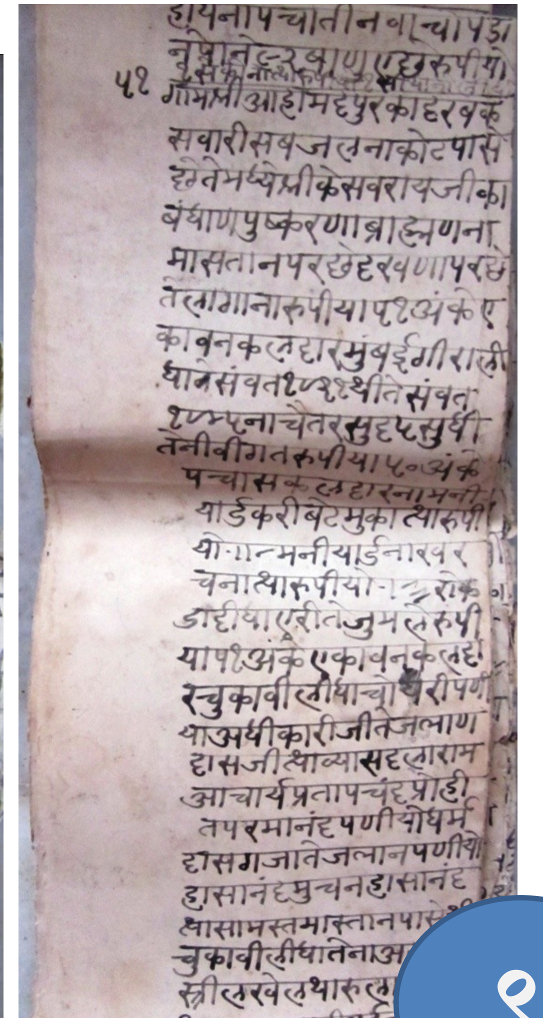
प्राय: पुष्करणा ज्ञाते:, श्री केशवराय अेष देववर: । द्वीपे शंखोद्धाररेऽस्ति सुंदरं मंदिरं यस्य ॥१॥...........................

बाणाम्भोधिग्रह शशिमिते१९४५ विक्रमार्कस्यवर्षे शुद्धे पक्षे प्रतिपदि बुधे माधवस्यानु कुले। शुद्धे पक्षे प्रतिपफि बुधे माधवस्यानु कुलं कर्तु सर्व जनमहिनुत: केशवो ज्ञाति देव: ॥९॥ ज्येष्ठाराम समहवय: सकृतधीर्वीद्वन्मुकुन्दात्म ज: स्वज्ञातिंकिल पोष्कराधिजवर: प्रोद्धर्तुकाम: सखा। भूरि प्रेरितवान समामिति मया गोवार्धनेन धृतं स्त्रोत्रं पंचनदीत्युपाह्यय घन्श्यामात्मजेनोहितम् ॥१०॥

श्री केशवरायजी में सीन्ध के पुष्करणा ब्राह्मणों की भेट, रंगा कुवरभाण तथा कुंझालाल तथा रूपचंद तथा ज्येष्टानंद रंगा ने दिये सवंत १९४५ के वैसाख वध १४; पणीया हासानंद, गजा तेजभाण, व्यास दलाराम; ऐसे अनेक प्रांत के पुष्करणों की सेवों के लेख-पत्र प्रमाणित हैं।



अरवरनानाचछे
१ गामस्रीहाजलमध्येस्रीकेस
वरायजीकीलेटछेरुपीयो४
ककलदारछेपुस्करणाब्राह्म
णरंगाकुवरलाणत्याकुंझा
लालत्यारुपचंदत्याजेष्टानंद
रंगानाघरपरछेलेटनोजेवा
रलेटीयोआवेतूवाररुपीयो१
एक कलदआपेतलेटनोरुपी
एककलदारसंवत१९४
वैसाकवीद१४नेदीनेकु





श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

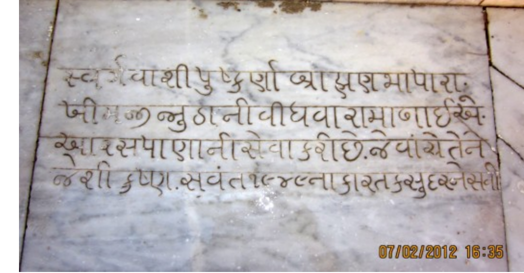
संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई

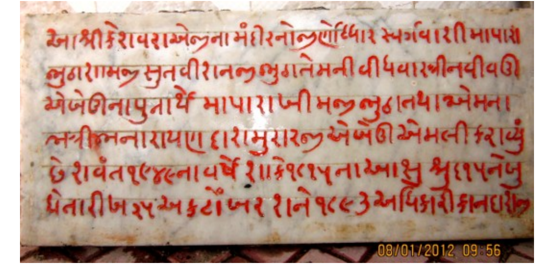


श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

वर्ष १८९३/ सवं १९४३ कार्तक सुद २ /

25th Oct' 1893 / वि. सव. १९४९ आसु सुद 15 :





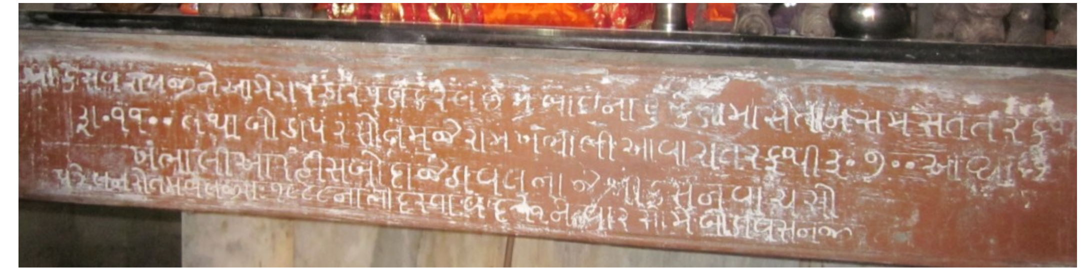
श्री केशव-रायजी मंदिर में संगेमरमर फर्श की सेवा एवं मंदिर का जीर्णोद्धार अधिकारी श्री कन्हादास राधाकृष्ण जी के साथ स्वर्गीय मापारा झूठाराम खिमजी के परिवार जनों ने करवाया था।





Year 1903 A.D / वि. सव. १९५९- शिला-लेख:

श्री केशव-रायजी मंदिर में टंकी और उसके ऊपर का छत की सेवा लखपत बन्दर के रहवासी पुष्करणा ब्राह्मण व्यास टीकर उमरसी के परिवार जनों ने दी : अधिकारी श्री कन्हादास राधाकृष्ण जी।



Year 1910 / वि. सव. १९६६ वैशाख सूद १५- शिला-लेख: श्री केशव-रायजी मंदिर की बैठक कच्छ-मांडवी के रहवासी पुष्करणा ब्राह्मण लुधर वासनजी हंसराज ने अपने खर्च से बनवाया हैं : अधिकारी श्री कन्हादास राधाकृष्ण जी। **Year 1931/ वि. सव. १९८८ भादरवा वद ११ :** मंडप की सेवा जाम-खाम्बालिया के बोडा परसोतम जयराम (Rs. ₹ 700/-) और बोडा जेठावल, नरोत्तम वेलजी की तरफ से ₹ १०००/-, मुंबई के पुष्करणा ब्राह्मण मास्तान की तरफ से बोडा वसंजी ने लगवाया।



।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई

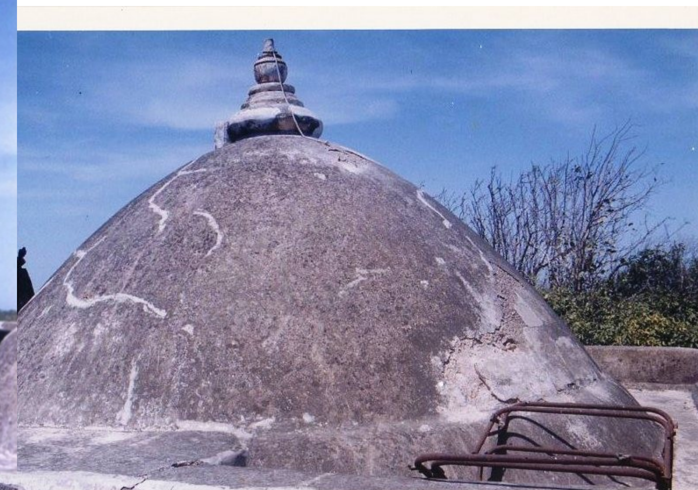


श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

स्थानिय वरीष्ठ नागरीको के कथन अनुसार मन्दिर में रोज सदावत होता था, नित्य प्रतिदिन ५ ब्राह्मणो को प्रेम से भोजन करवाया जाता था। पीठाधीश के साथ ५-६ सेवक नित्य सेवा में लगे रहते थे। परंतु समय की अवधी के दौरान यह प्राचिन आकर्षण का केन्द्र की महत्वता धीरे धीरे वैष्णव भक्तों में कम होने लगी और यह प्रमुख्य स्थान एक आन्तरीक स्थान में परीव्रतित होने लगा। श्री केशवराय जी की सेवा पुर्णत: समाप्त हो गई थी। पुष्करणा समाज में प्रमुख अज्ञात के कारण मन्दिर ६ दषक तक परित्यक्त एवं जीर्ण अवस्था में रहा।

Abandoned since 1942 and was allowed to fall in Decay till Oct' 2000







Pic file 2001

Ref. : Video Album Post Dt. 23rd March 2017 on FB: @KeshavraijiBetDwarka



।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

वर्ष १९४२-४४: में **गायकवाड़ सरकार शासन** द्वारा इस मंदिर को अस्वामीक घोषित कर सारी चल सम्पति को जब्त कर लिया गया था एवं शंख-नारायण मंदिर के पुजारी श्री मयाशंकर (श्री जयशंकर के ज्येष्ठ भाई) को तत्कालीन केशवराय जी मंदिर की सेवा के लिए नियुक्त किया गया था। श्री टमु भाटिया द्वारा प्राप्त हुई सूचना से "पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट' की ट्रस्टी श्री वसंजी रतंशी जोशी (बोड़ा) ने अपने परिचित गायकवाड़ सरकार के दिवान मनुभाई से मंदिर को लौटाने की याचना के पश्चात श्री मनुभाई दिवान ने स्वयं आकर सारी ~~अ~~चल संपत्ति सोने-चांदी के आभुषण एवं धन पुन: मंदिर को सौप दिये जो की १९८५ तक श्री जयशंकर जानी के कब्जे मे उनके घर पर सुरक्षित रहा। समाज के सहयोग के बिना श्रीजी की सेवा अनियमीत रूप से चलता रहा और आखीरकार पुर्णत: समाप्त हो गया। पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट का मन्दिर के चल –अचल सम्पति पर कोई कानुनी अधिस्थती नहीं था और ना हीं उन्होंने ~~अनौपचारीक रूप से~~ कभी मन्दिर का संचालन किया। ईस बात की पुष्टी स्वयं पुजारीजी ने वर्ष २००२ के विडियो में की।



स्व. श्री मयाशंकरजी



स्व. श्री जयशंकरजी

Ref. : Video Album Post Dt. 23rd March 2017 on FB: @KeshavraijiBetDwarka



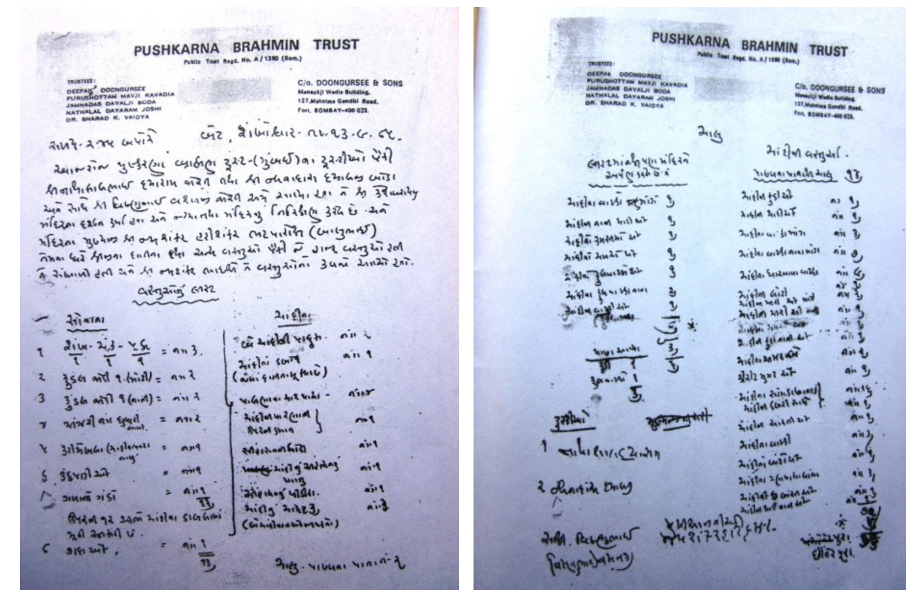
।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

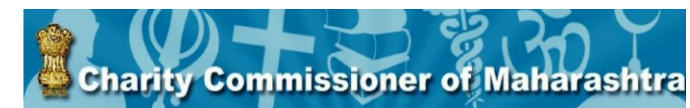
संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी



१३ Sept १९८५: मन्दिर में रखे श्रीजी के छोटे खीलौने और एक अनोखा ४ से ५ फुट उचा और चौडा चांदि का पालना की जंजीरों की चोरी हो गई थी। पुजारीजी ने तत्कालीन पोलीस में रीपोर्ट दर्ज करवाने के पश्चात चोर चुराए वास्तुओ को मन्दिर में वापस रख कर गया। समाचार पत्रीका द्वारा प्राप्त ईस खबर को पढकर मुंबई के “पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट” के कुल ७-८ सदस्यों ने पुजारीजी को श्रीजी के प्राचीन कृष्ण अर्पण किये सभी अमूल्य सोने-चांदी के श्रृंगार और बर्तनों को सौपने के लिये मजबुर किया। समाज में श्रीजी कि वर्षों तक जागृत्ता के अभाव चलते मजबुरन ऊन्हें सौपना पडा और “पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट” ने ईसे अवैध रूप से अधिग्रहण किया।



Home | Know Your Trust | Know Your Case

About Us | Hospital | Charity Offices | CC Acts and Rules | CC Circulars | Forms | FAQ | RTI | Accounts | Other Links | Statistics

Back

Trust Details	
Trust Type	A
Trust Filing No.	23001390/1953 Filing date: 1953-05-05
Trust Registration No.	23001390/1953 Registration date: 1953-05-05
Trust code	201230013901953
TRUST INFORMATION	
Trust Name	Pushkarna Brahmin Trust
Address	C/o. Shri Manoobhai Doongarsey & Co., Maneckji Wadi Building, 127, M. G. Road, Fort, Bombay 400 001
District--Taluka--Village	Mumbai----
Phone no	
Objects of Trust	Worship of the idol at Dwarka Scholarships to be given to the boys and girls of the caste.
TRUSTEE	

MOVABLE PROPERTY			
Property Id.	Description	Address	Trustee(Posession)

IMMOVABLE PROPERTY			
Property Id.	Survey No(Municipal No)	Address	Trustee(Posession)

AVG ANNUAL INCOME					
Total Movable Income	Total Immovable Income	Gross Movable Income	Gross Immovable Income	Other Source Income	Total Income

AVG ANNUAL EXPENDITURE					
Remuneration on Trustees	Remuneration on Establishment and Staff	Remuneration on Religious Objects	Remuneration on Charitable Objects	Remuneration on Miscellaneous	Total

REGION WISE PROPERTY				
Name of Trustee	Address	Value Of Immovable Property	Sub registars	Dispatch date

Scheme Information	
Scheme Name	Description

Change Information							
Form Name	Field Name	ID	Old	NewChange	Reason	Date	Remarks

ईस बात की पुष्टी महाराष्ट्र चेरीटी ओनलाईन जानकारी से होती हैं की ट्रस्ट द्वारा आभुषणों की घोष्णा चेरीटी कमिशनर को नहीं की गई थी। ट्रस्ट के पास कोई चल-अचल सम्पत्ति नहीं, ट्रस्ट में कोई भी ट्रस्टी नहीं, एवं मुंबई का पता भी c/o हैं जो प्राय: १९८५ के पुर्व बंद चुका था।

“पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट” मुंबई में एक स्वतंत्र ट्रस्ट था जीसका ऊद्देश्य श्री केशवरायजी की भक्ती एवं मुर्ती की देख-रेख, द्वारका में द्वारकाधीश की भक्ती तथा छात्रवृत्ती था। **मन्दिर का वहिवट करना नहीं था।** देवस्थान विभाग तथा सरकारी अभीलेखागार में मन्दिर से जुडे ट्रस्ट की कानुनी रूप से कोई अधीस्थिती अथवा कोई भी जानकारी नहीं हैं। श्री केशवरायजी एवं ऊनसे जुडी सभी महत्वपुर्ण जानकारी को समाज से कई वर्षों तक जानबुझकर छुपाया गया

Ref. : Video Album Post Dt. 23rd March 2017 on FB: @KeshavraijiBetDwarka



श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

24 April 1995 फुल-छाब समाचार: बेट-शंखोद्धार के ट्रस्टी होने का ढोंग, पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट के ट्रस्टीयों द्वारा श्री केशव-रायजी की दुर्लभ स्वरुप को जाम-खम्बालिया पधराने के बहाने मूर्ति चोरी करने का प्रयास। मूर्ति ऊखाडने के साथ शिला-लेख ऊखाडने लगे। गाव में उद्धम मच गया और दस्तावेज़ अथवा कोई भी मंजूरी नहीं बताने के कारण पोलिस के बिच पड़ते ही इष्टदेव श्री केशव-रायजी का नाश करने और नमो-निशान मिटाने आये लोग बेट-द्वारका से गायब हो गए। ग्रामजनों में आक्रोश, केशवरायजी मन्दिर की सुरक्षा संगीन करने की मांग। # प्राचीन दुर्लभ मुर्ती को स्थानांतरण करने के बहाने जाम-खम्बालिया के पुष्करणा भवन में Yr. 1995 में बनवाया गया 50 sq. ft. का छोटा सा मंदिर जो 22 वर्षों से खाली पडा हैं, ईस प्रकरण का सीधा-सीधा प्रमाण हैं।



ફૂલછાબ
મંગળવાર તા. ૨૫-૪-૧૯૯૫ પાનું ૧૦
જામનગર જિલ્લા આવૃત્તિ

બેટ શંખોદ્ધારના ટ્રસ્ટી હોવાનો ડોળ કરી પુરાણા મંદિરની મૂર્તિઓ લઇ જવાનો પ્રયાસ

ગામમાં ઉશ્કેરાટ: પોલીસ વચ્ચે પડતા અજાણ્યા કહેવાતા ટ્રસ્ટીઓ "ગૂલ"

ઓખા તા. ૨૪: (તાર) જાણીતા યાત્રાધામ બેટ શંખોદ્ધારમાં આવેલા વર્ષો પુરાણા કેશવરાયજી મંદિરની મૂર્તિઓ અન્યત્ર સ્થાપિત કરવાની વાતો કરી મંદિરના સાચા ટ્રસ્ટી હોવાનો દાવો કરી આઠ દસ અજાણ્યા શખસોએ મંદિરમાં કેટલીક ચીજો ખસેડવા પ્રયાસ કર્યો હતો. આને પરિણામે ટોળું જમા થતાં ગામમાં ઉશ્કેરાટ ફેલાયો હતો. પોલીસની દરમ્યાનગીરી બાદ કહેવાતા ટ્રસ્ટી એવા આ શખસો મંદિર છોડી ચાલ્યા ગયા હતા. પોલીસે મામલો થાળે પાડયો હતો.

અજાણ્યા શખસો સામે મૂર્તિઓની ચોરીના પ્રયાસની ફરિયાદ પોલીસમાં નોંધાઈ છે.

આજે સવારે પુષ્કરણા બ્રાહ્મણ જ્ઞાતિના ઈષ્ટદેવ કેશવરાજીના મંદિરમાં રહેલી દુર્લભ મૂર્તિઓ મંદિરના ટ્રસ્ટીઓ બીજે ખસેડવા માગે છે એવું કહી આ શખસો મંદિરના પુજારી પાસે આવી ચડયા હતા.

પુજારીને ભોળવ્યા: આ શખસોએ કહ્યું કે "અમે પુષ્કરણા બ્રાહ્મણ ટ્રસ્ટ બોરીવલી સ્ટ્રીટ ફોર્ટ મુંબઈના ટ્રસ્ટી છીએ. મંદિર અમારા ઈષ્ટદેવનું છે. ગામમાં પાણી રસ્તા વીજળીની તકલીફ હોવાથી અમારા ભાઈઓ અહીં આવી શકતા નથી તેથી ઈષ્ટદેવની સેવા થઈ શકતી નથી. આથી અમે મૂર્તિઓને અન્યત્ર લઈ જવા માગીએ છીએ.' આમ કહી એ શખસોએ અલગ અલગ લેખોને તોડવાનું ચાલુ કર્યું. પુજારીએ ગ્રામજનોને જાણ કરતાં મંદિર બહાર મોટું ટોળું એકઠું થઈ ગયું.

કેશવરાયજી મંદિરની સુરક્ષા સંગીન બનાવવા માગણી

પોલીસ આવી: દરમ્યાન કંઈ કેસની તપાસ માટે આવેલા ખંભાળિયાના સર્કલ ઈન્સ્પેકટરને જાણ થતાં તેઓ સ્થળ પર પહોંચ્યા. અજાણ્યા શખસો પાસે દસ્તાવેજ કે મંજુરી પત્રો હોય તો બતાવવા કહ્યું. પણ એ શખસો કોઈ આધાર કાગળો બતાવી ન શકતાં કામ અટકાવી દેવાયું. એ શખસો હવે પોલીસ પાર્ટી સાથે આવવાની ધમકી આપી ચાલ્યા ગયા હતા.

રક્ષણ કરો: ગ્રામજનોએ આ પુરાણા મંદિર તથા તેની દુર્લભ મૂર્તિઓની સુરક્ષા માટે પુરતો બંદોબસ્ત ગોઠવવા માગણી કરી છે. પુરાતત્વ ખાતા તથા કલેકટરે યોગ્ય તપાસ કરવી જોઈએ એવી પણ લાગણી પ્રવર્તે છે.

મંદિરની સેવા પગારદાર પુજારી વર્ષોથી કરે છે. ટ્રસ્ટીઓએ કદી ધ્યાન આપ્યું નથી. ત્યાં અચાનક કિંમતી મૂર્તિઓ ઉઠાવી જવાની પેરવી શંકાના વમળો સર્જે છે. મંદિર પુરાતત્વખાતું કે કલેકટર સંભાળે તેવી માગણી થઈ છે.

પડધરીમાં યોજાયેલ 'સરકાર તમારે દ્વાર' કાર્યક્રમમાં ઉર્જામંત્રી શ્રી વજુભાઈ વાળાએ ગ્રામજનોના પ્રશ્નો સાંભળ્યા, તે પ્રસંગની તસવીર.

પડધરીમાં ઉર્જામંત્રીની ઉપસ્થિતિમાં 'સરકાર તમારે દ્વાર' કાર્યક્રમ : તાલુકાના સીતેર ટકા પ્રશ્નોનું નિરાકરણ

રાજકોટ, તા. ૨૪ : ગુજરાતના ઉર્જામંત્રી શ્રી વજુભાઈ વાળાએ પડધરી તાલુકામાં 'સરકાર તમારે દ્વાર' કાર્યક્રમ હેઠળ ગ્રામ્યજનોના રજૂ થયેલા પ્રશ્નો પૈકી સીતેર ટકા જેટલા પ્રશ્નોનું સ્થળ પર નિરાકરણ કર્યું હતું. મંત્રી શ્રી સમક્ષ જુદા જુદા ખાતાઓએ સ્પર્શતા ૫૦ જેટલા પ્રશ્નો રજૂ થયા હતા. આ પ્રશ્નો અંગેની ... પણ ગ્રામ્યજનોના પ્રશ્નોના ઉકેલ માટે સૂચનો કર્યા હતા.

આ કાર્યક્રમમાં નિવાસી નાયબ કલેકટર શ્રી રસિકભાઈ પરીખ, નાયબ કલેકટર શ્રી મૃગેન્દ્રભાઈ વસાવડા તથા સંબંધિત ખાતાઓના અધિકારીઓ ઉપસ્થિત રહી પ્રશ્નો અંગે હાથ ધરાયેલી કાર્યવાહીની વિગતો આપી હતી.

હંસરાજ લધા અપંગ આશ્રમ દ્વારા હરસ, મસા, ભગંદર રોગનો નિદાન સારવાર કેમ્પ યોજાયો : સો દર્દીઓએ લાભ લીધો

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

જામનગર, તા. ૨૪ : જામનગરમાં ત્રણબત્તી ચોક પાસે આવેલી એકસો પાંચ વર્ષ જુની સંસ્થા "શેઠ હંસરાજ લધા અપંગ આશ્રમના સાર્વજનિક દવાખાનામાં તા. ૨૧ થી ૨૩ એપ્રિલ '૯૫ ત્રણ દિવસ હરસ-મસા- ભગંદર રોગ અંગે કેમ્પ યોજવામાં આવ્યો હતો જેમાં એકસો દરદીઓએ વિનામૂલ્યે સારવાર તથા દવા મેળવી હતી.

સંસ્થાના મેનેજીંગ ટ્રસ્ટી શ્રી જેરામભાઈ કાપડિયાના અધ્યક્ષસ્થાને યોજાયેલા આ કેમ્પનું ઉદ્ઘાટન ગુજરાત આયુર્વેદ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ શ્રી બી. ...

સંસ્થાની અપેક્ષા

સંસ્થાના ટ્રસ્ટી શ્રી અજીતભાઈ પુરેચા તથા વહીવટદાર શ્રી કિસનભાઈ આશરે આ તકે જણાવ્યું હતું કે, 'અપંગ ભાઈ-બહેનો આ સંસ્થાનો બહોળા પ્રમાણમાં લાભ લે તેવું સંસ્થા ઈચ્છે છે. આ ઉપરાંત સ્વનિર્ભર અપંગ વિદ્યાર્થીઓ આ આશ્રમમાં રહીને આવાસ, ભોજન, વિદ્યાભ્યાસની સેવા મેળવે તેમજ આશ્રમ ખાતે ચલાવાતા સાર્વજનિક આયુર્વેદ દવાખાનાનો અને હરસ-મસા- ભગંદર જેવા રોગોની સારવારનો જરૂરિયાતવાળા લોકો વધુમાં વધુ લાભ મેળવે તેવો અનુરોધ કર્યો હતો. ડો. કુલવંતસિંઘ આ દવાખાનામાં દરરોજ સાંજે ૬ થી ૮ વચ્ચે ...

Ref. : Video Album Post Dt. 23rd March 2017 on FB: @KeshavraijiBetDwarka



।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

वासुकी नागदेवता के दैविक शक्तीयों के द्वारा पुष्करणा समाज के श्री केशोरभाई-मुंबई एवं ऊनके चचेरे भाई श्री अरविन्दभाई जोशी जी- जामनगर को ऊडुपी (करणाटक) में वासुकी मन्दिर के पुजारी स्वामी श्री गोपालकृष्ण सामगा जी ने श्री केशवरायजी की जानकारी दि और वर्ष २००० Oct' में समाज में जागृत्ता फैलाकर श्री केशवरायजी की सेवा बहाल कि।२००१ भुकंप के महा-प्रलय ने मन्दिर से जुडे अन्य कमरो को भारी क्षति पोहचाई, २.५ वर्षों के पश्चात समाज के सहयोग से मन्दिर का जीर्णोद्धार वर्ष २००२-२००४ में करवाया गया।





श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी







Pic file 2001

Ref. : Video Album Post Dt. 23rd March 2017 on FB: @KeshavraijiBetDwarka



।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

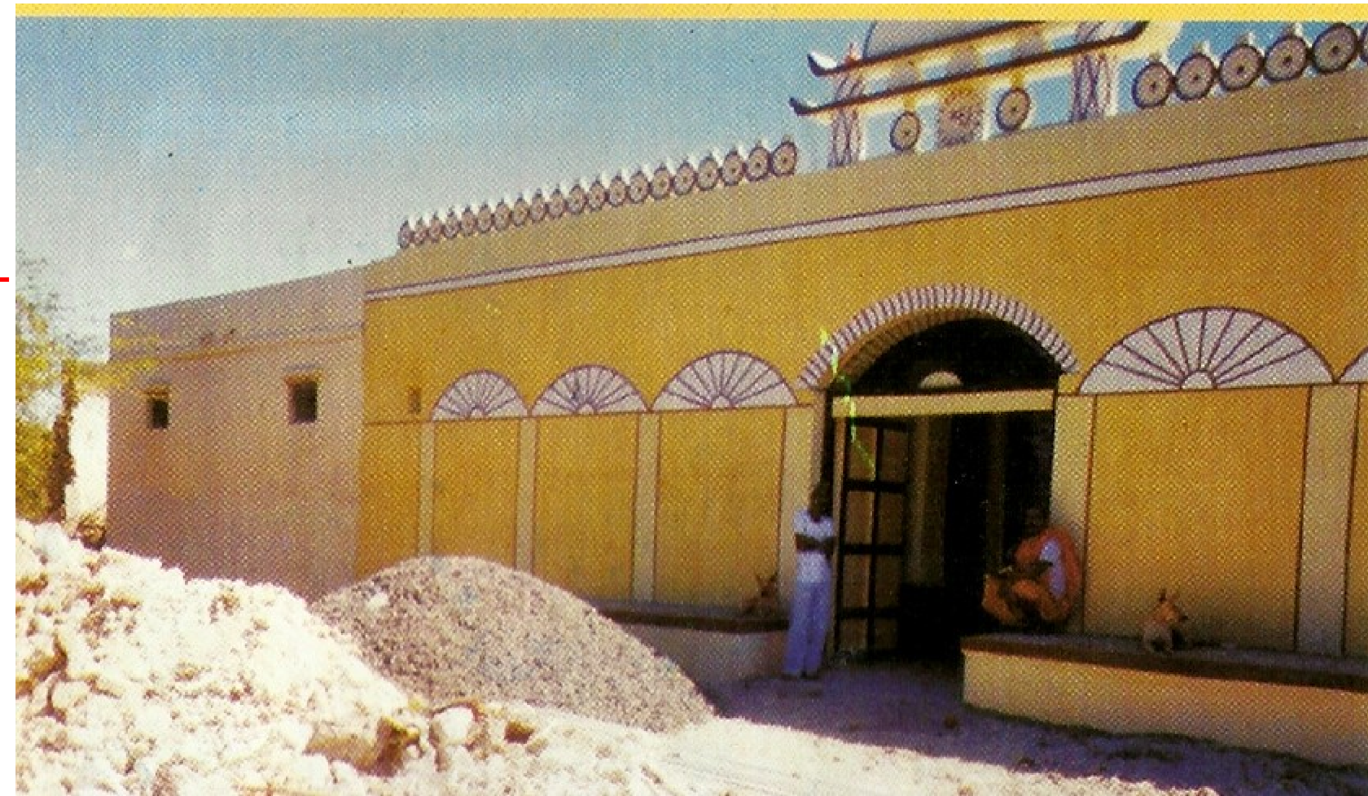
श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई

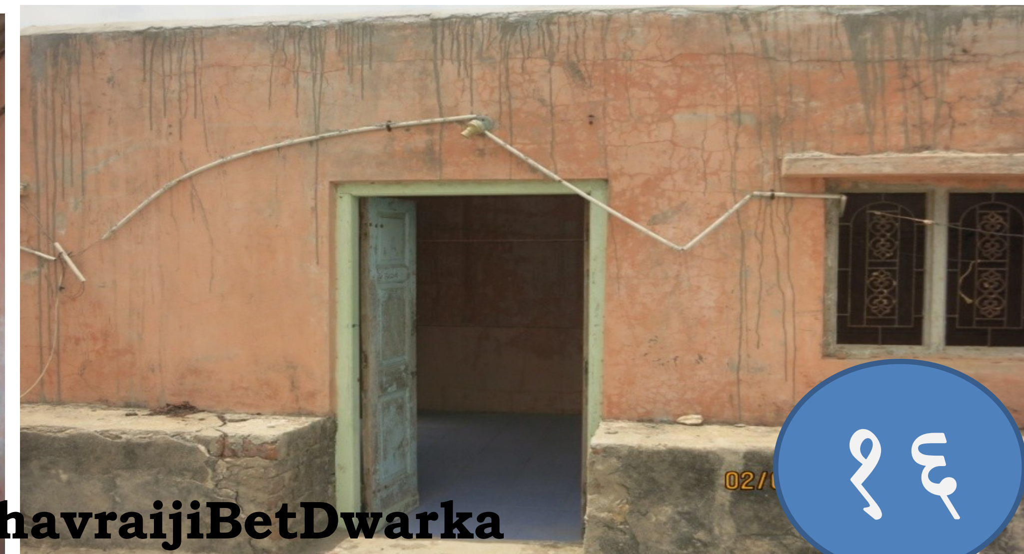


श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

वर्ष २००२-२००४ में समाज के सहयोग से मन्दिर का जीर्णोद्धार श्री अरविन्द जी के नेतृतव में जीर्णोद्धार समीती जामनगर द्वारा करवाया गया जीसमें मुंद्र-कच्छ एवं जोधपुर-राजस्थान समाज के सहयोग से २ अतिरीक्त कमरे बनवाये गये जीनका नेतृतव श्री तुलसीदास पंड्याजी-मुंद्रा एवं स्व. श्री रामदत्त थानवीजी-जोधपुर ने किया। उस दौरान समाज के सभी आदर्णीय सदस्यों ने पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट के सदस्यों को श्रीजी की संमपत्ती लौटाने एवं जीर्णोद्धार में योगदान करने का पुरा-पुरा अवसर दिया और याचना की परंतु वे जानबुझकर ऊदासीन और उपेक्षित रहें और एक पैसे का भी समर्थन नहीं किया और ना ही कभी स्वतंत्र रूप से को कार्य किया।







Ref. : Video Album Post Dt. 23rd March 2017,on FB: @KeshavraijiBetDwarka



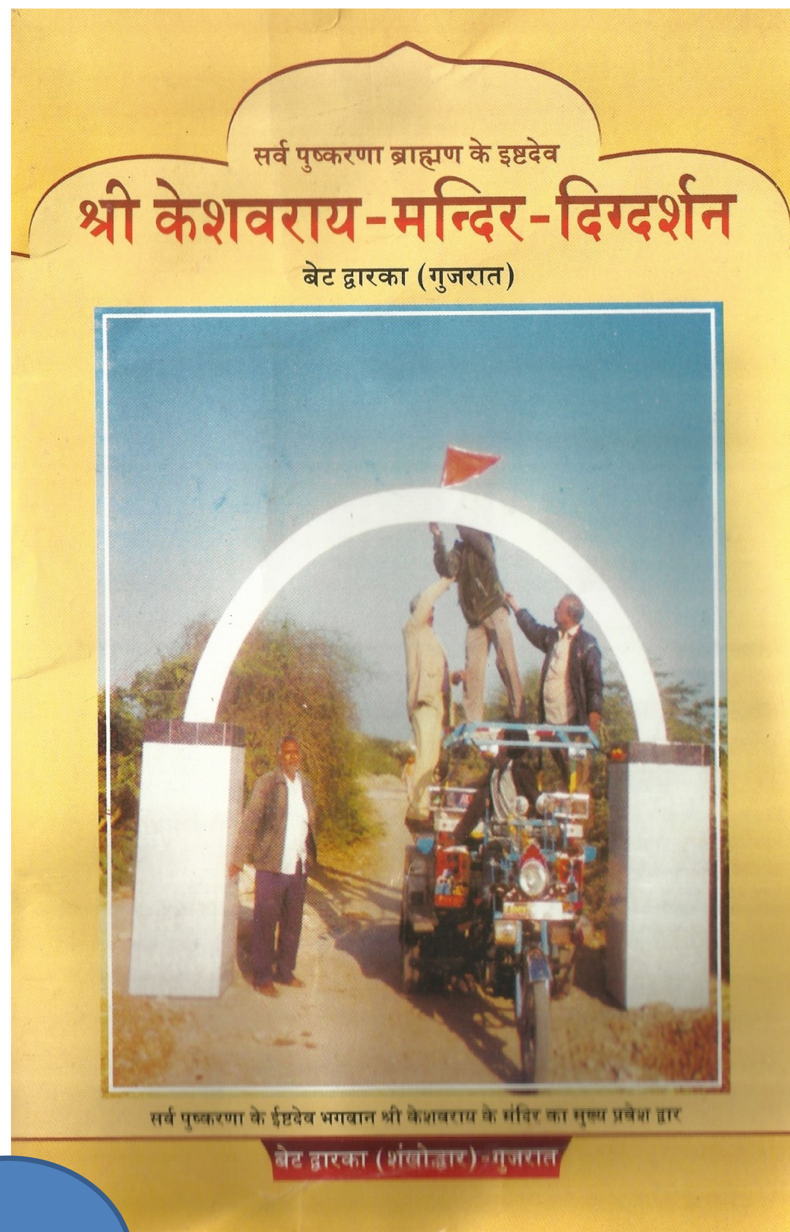
श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

वर्ष २०११ पुष्करणा समाज में जागृक्ता लाने आदरणीय स्व. श्री रामदत्त थानवि जी एवं ऊनके पुत्र वधु आदरणीय स्व. श्रीमती अंजनादेवि गुरुदत्त जी द्वारा रचि गयी "श्री केशवराय मंदिर दिग्दर्शन" सुंदर पुस्तक



कि रचना की जिसमे सुन्दर लेख लिखते हुए मन्दिर की प्राचीनता एवं जीर्णोद्धार समिति जामनगर द्वारा किये गए अतुलनीय कार्य का खूब प्रशंसा की साथ ही पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट द्वारा दुष्कर्मो का कडा विरोध किया परंतु विरोध का कोई असर नहीं हुआ। संभवत: पुष्करणा ब्राह्मण ट्रस्ट के सदस्यों न वर्षे १९८५-२००१ के दरमियान बाजार में कीमती दामों श्रीजी की सारी प्राचिन काल में कृष्ण अर्पण किये सारी अमुनल्य चल संपत्तियों को बेच दिया और डकार भी नहीं लिया।

प्रकाशकीय-आभार

बेट द्वारका स्थित सर्व पुष्करणा समाज के इष्टदेव भगवान श्री केशवरायजी के मन्दिर का प्रामाणिक इतिहास लिखने में जो शोधपूर्वक प्रयास किया गया है उसके लिए अखिल भारतीय पुष्करणा सेवा परिषद शाखा जोधपुर के अध्यक्ष श्री रामदत्त थानवी और आपकी इतिहासवेत्ता पुत्रवधू श्रीमती अन्जना थानवी है। इस इतिहास को पुस्तकाकार देने में, आर्थिक सहयोगी इं. मण्डलदत्त कल्ला एवं डॉ. चन्द्रप्रभा कल्ला तथा सुन्दर एवं आकर्षक छपाई करने वाले जांगिड़ कम्प्यूटर्स के हम अत्यन्त आभारी हैं और आशा करते हैं कि यह लघु इतिहास पाठकों को अतीत के गौरवशाली इतिहास की झलक देने में सफल होगा।

प्रकाशक
भगवान श्री केशवराय मंदिर
जीर्णोद्धार समिति,
जामनगर (गुजरात)

—{ 5 }—

अनुक्रमणिका

—{ 3 }—



श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई



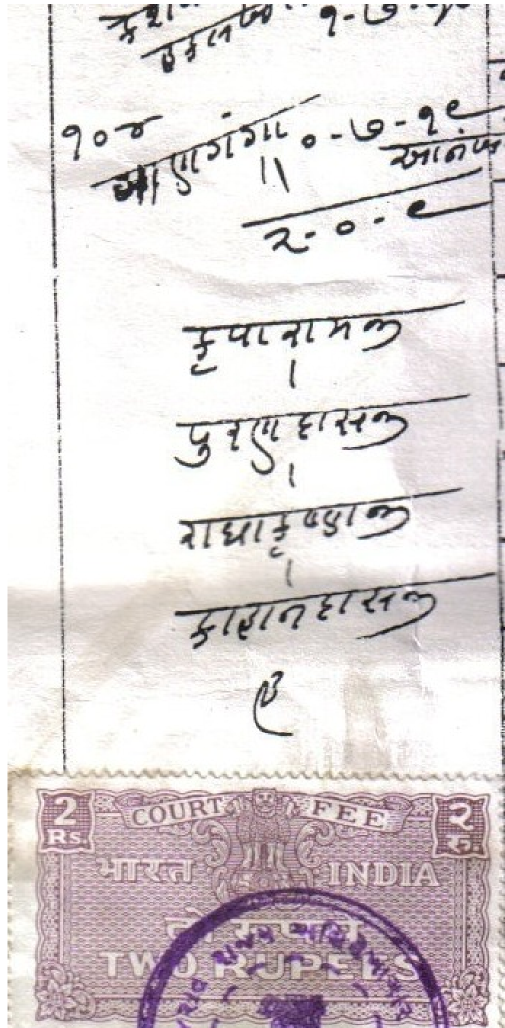
श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

मन्दिर का कार्य फिर से बहाल जरुर हुआ परंतु पीठाधीशों की अधीक जानकारी प्राप्त न होने के कारण ऊनकी पहचान हमेशा एक रहस्यमय बना रहा। जीस समय कच्छ के माहाराव की रानी ने नारायण सरोवर में त्रिकमराय जी मन्दिर के साथ अन्य मन्दिरों को निर्माण करवाया था, ऊसी समय कच्छ दरबार में रहे दिवान जोधपुर के रहवासी पुष्करणा ब्रा. जोशी आडतमांड जी ने बाई राज से लगान लगवाकर अपने ज्ञाती के लिए वर्ष १७४९ वैशाख सुदसप्तमि को श्री केशवरायजी मन्दिर का निर्माण करवाया था जो वर्तमान संरचना हैं। श्री नारायण सरोवर के पीठाधीश रहें श्री कान्हादासजी (कृष्णदासजी), ऊनके गुरु श्री राधाकृष्णजी एवं ऊनके पुर्व श्री कृपादासजी के नाम ऊसी क्रम अनुसार ऊल्लेख किये गये है जैसे श्री केशवरायजी मन्दिर के देवस्थान विभाग में ऊल्लेखनिय है।

पीठाधीश [संपादित करें]

नारायण सरोवर संस्थान के वर्तमान पीठाधीश आनंदलाल जी महाराज हैं, की सूची निम्नलिखित हैं[13]:-

क्रम	पीठाधीश	पीठस्थ (विक्रम संवत)	निधन (विक्रम संवत)
१	श्यामदास जी	-	१८१६
२	बालकृष्णदास जी	१८१६	१८२८
३	इश्वरदास जी	१८२८	१८४६
४	कृपादास जी	१८४६	१८५१
५	देवादास जी	१८५१	१८८९
६	सेवादास जी	१८८९	१९१७
७	राधाकृष्णदास जी	१९१७	१९३७
८	कृष्णदास जी	१९३७	१९४३
९	वल्लभदास जी	१९४३	१९७५
१०	द्वारकादास जी	१९८३	१९९८ (निवृत्ति)
११	मधुसुदनलाल जी	१९९९	२०४५





श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिता: महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

।।गुरु के रूप में हमें भगवान श्री कृष्ण मिल गयें है।।

।।पुष्करणा ब्राह्मण प.पु. श्री आन्दलालजी महाराज को कोटी-कोटी प्रणाम।।

17th April 2017 :ईस बात की पुष्टी नारायण सरोवर के वर्तमान पीठाधीश पुष्करणा ब्राह्मण प. पु. श्री आन्दलालजी माहराज जी ने कि है साथ ही यह भी पुष्टी की के सभी पीठाधीश राजस्थान के अवश्य थे परंतु पुष्करणा नहीं थे, अत: प. पु. श्री आनंदलालजी महाराज जी एक ही पीठ के ऊत्ताराधिकारी हैं उसके भी अतिरीक्त वे स्वयं पुष्करणा ब्राह्मण होने के नाते ऊन्हें श्री केशवरायजी की सेवा का पुरा-पुरा अधीकार है, समाज के लिए ईससे ज्यादा खुशी और सौभाग्य की बात क्या हो सक्ती है की ऊनको आदर पुर्वक श्री केशवरायजी मन्दिर के गादी-पद से सम्मानीत किया जाय।

कच्छ-मित्र के रीपोर्टर सोनलबेन पणीया जी के सहयोग का खुब-खुब आभार व्यक्त करता हुँ जीन्होंने पीठाधीशों को लेकर मेरे अनुसंधान में विकीपिडीया से प्राप्त जानकारी को स्पष्ट करवाने हेतु महाराजश्री मेरी फोन पर बात करवाई जीस कारण महाराजश्री ने मुझसे नारायण सरोवर के पुर्व पीठाधीशों कि पुष्टी की।



।।श्री केशवराय जी सत्य है।।

श्री केशव-रायजी (कृष्ण) प्राचीन मन्दिर-ईतिहास- 29th May 2017

संक्षिप्त ईतिहास- रचयिताः महेश वासु-मुंबई



श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी



॥गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरु साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरुवे नमः ॥



श्री त्रीकम-रायजी
तीर्थ नारायण सरोवर
लखपत-कच्छ



श्री केशव-रायजी
तीर्थ शंख-सरोवर
द्विप-शंखोद्धार

पुष्करणा ब्राह्मण प. पु. श्री आन्दलालजी माहराज जी नारायण सरोवर के वर्तमान पीठाधीश एवं प्रामणिक रूप से श्री केशवरायजी मन्दिर गादी-पद पीठ के भी ऊत्ताराधिकारी हैं।

जो पढें ऊन्हें जय श्री कृष्ण





श्री वासुकी, सगरी, ऊडिपी

Right to Information

Due to the presence of anti-social elements in our Community who are misleading the Community by misrepresenting the facts of Lord Keshavraiji (Krishna) Temple, all the civilized Members are requested to **Kindly Verify the facts before you support any Person/Group or Trust.**

Hence Plz Verify all the Documents duly Certified by the Registrar of Asst./Deputy Charity Commissioner Office / Devasthan Vibhag in Original & not xerox:

1. **Latest Certified Copy** of the Trust Registration & Devasthan Vibhag.
2. **Copy of the Trust Audit Report** Since the Dt. Of Registration till Dt.
3. **Copy of Change of Information** if any.
4. **AGM** Records if required.

Plz Do Not Donate Cash to any Person/Group or Trust even if they are Legitimate.